गुरु गोबदि सहि जी की 358वीं जयंती

[स्रोत: पी.आई.बी](#)

हाल ही में प्रधानमंत्री ने सखिों के 10वें गुरु, **गुरु गोवदि सहि जी** को उनकी 358वीं जयंती (जसि **प्रकाश उत्सव** के रूप में मनाया जाता है) पर श्रद्धांजलि अर्पति की।

- उनकी जयंती **नानकशाही कैलेंडर (सौर वर्ष के अनुसार)** पर आधारति है, जसिके अनुसार **वर्ष 2025 में यह 6 जनवरी** को है।
- **गुरु गोबदि सहि जी:**
  - **प्रारंभकि जीवन:** उनका जन्म **22 दसिंबर 1666 को पटना साहबि, बहिार** में हुआ था। वे अपने पिता (**गुरु तेग बहादुर**, 9 वें सखि गुरु) के उत्तराधकिारी बने।
  - **योगदान:** उन्होंने **वर्ष 1699** में **खालसा पंथ** (जो धर्म और न्याय की रक्षा के लिए समर्पति एक योद्धा समुदाय था) की स्थापना की।
    - इन्होंने **सखि पहचान के प्रतीक के रूप में पाँच 'क' को** प्रस्तुत कयिा अर्थात **कंघा** (कंघी), **केश** (बनिा कटे बाल), **कड़ा** (स्टील का कंगन), **कृपाण** (तलवार), और **कच्चेरा** (शॉर्ट्स)।
    - उनके बेटों **ज़ोरावर सहि (उम्र 7 वर्ष) और फतेह सहि (उम्र 9 वर्ष)** की सरहदि के गवर्नर **वज़ीर खान** ने इस्लाम धर्म अपनाने से इनकार करने के करण हत्या कर दी।
      - उनके दो बड़े बेटों **अजीत सहि और जुझार सहि** ने **चमकौर के युद्ध (1705)** में अपने प्राणों की आहुतदि दी, जसिमें एक **छोटी सखि सेना ने मुगलों तथा पहाड़ी राजाओं** से युद्ध कयिा था।
      - उनकी शहादत को याद करने के लिए **26 दसिंबर को '**वीर बाल दविस**'** के रूप में मनाया जाता है।
    - **पंज प्यारे:** गुरु गोबदि सहि ने **पंज प्यारे नामक संस्था** की स्थापना की, जसिके तहत **उन्होंने बलदिान के लिए पाँच सरि** मांगे और पाँच लोगों ने स्वेच्छा से उनकी मांग पर प्रतक्रिया दी।

और पढ़ें: गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/358th-birth-anniversary-of-guru-gobind-singh-ji